B.Ed. — 18.20

Extension of Technology in Guidance.

परामर्शदाता की भविष्य की भूमिका पर, निदेशन कार्यों में कम्प्यूटर तथा अन्य, सगंणना मशीनों के बढ़ते हुए उपयोग का व्यापक प्रभाव पड़ने की संभावना है। बहुत-से ऐसे कार्य जिन्हें परामर्शदाता अपनी प्रवीणता के आधार पर संपादित करता था, ऐसी दशा में परामर्शदाता की भूमिका में भविष्य में व्यापक परिवर्तन हो जायेंगे। मशीनों ने परामर्शदाता के लिपिकीय या लेखन-संबंधी उत्तरदायित्वों को काफी सीमित कर दिया है। सांख्यकीय गणना के लिए भी मशीनें उपलब्ध हैं। इस प्रकार परामर्शदाता के परम्परागत कार्य-लगभग समाप्त हो गये हैं। केवल कुछ मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के सम्पादन के समय तक ही, परामर्शदाता की भूमिका सीमित रह गयी है। इसके अतिरिक्त अब तो कम्प्यूटरों के द्वारा कार्य लेने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, हो सकता है कि परामर्श का कार्य भी भविष्य में कम्प्यूटर ही सम्पादित करने लगें। अतः निदेशन के क्षेत्र में प्राविधिकीय उपकरणों एवं संयंत्रों का विस्तार जहाँ एक ओर निदेशन प्रभाविकता के नवीन आयामों को जन्म दे रहा है, वहीं दूसरी ओर परामर्शदाता की परम्परागत भूमिका में भी व्यापक

Scanned with CamScanner

परिवर्तन ला रहा है।

संक्षेप में, आज विद्यालय निर्देशन-कार्यक्रम में परिवर्तन के लिए अनेक सामाजिक शक्तियाँ सामूहिक रूप से कार्य कर रही हैं। इनमें से कुछ — सामाजिक परिवर्तन, परामर्शदाता की नवीन भूमिका तथा विद्यालय के परिवर्तनशील स्वरूप से संबंधित हैं।

S. Kumar